RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

जल-संसाधन

जल संरक्षण

अध्याय-4 | भाग-6

एकदम BASIC से!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 जल-संभर विकास परियोजनाएँ

2 वर्षा जल संग्रहण

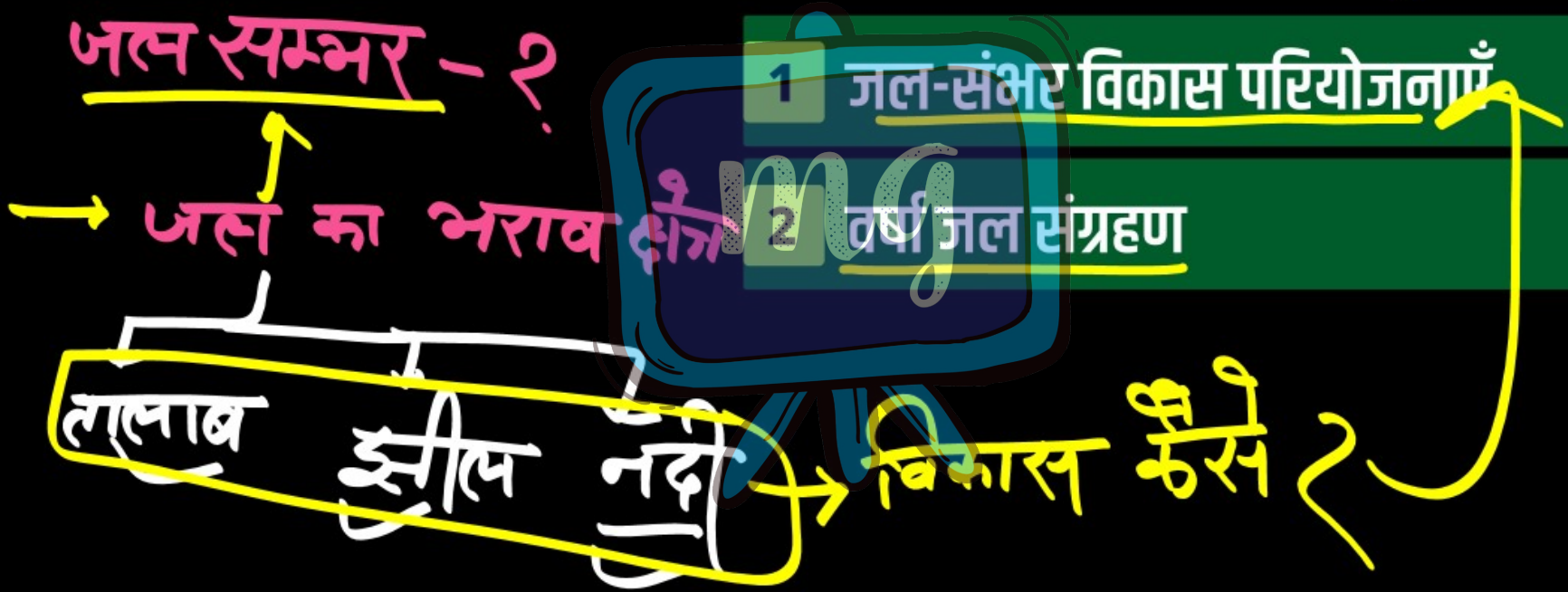

अरवारी पानी संसद – अलवर (राजस्थान)

- जन सहयोग से पारंपरिक जल संग्रहण संरचनाओं का विकास
- जल प्रबंधन में सामुदायिक भूमिका

→ तालाब
→ नाड़ा

तमिलनाडु में जल संग्रहण व्यवस्था

- घरों में जल संग्रहण संरचना अनिवार्य
- बिना जल संग्रहण संरचना के भवन निर्माण की अनुमति नहीं

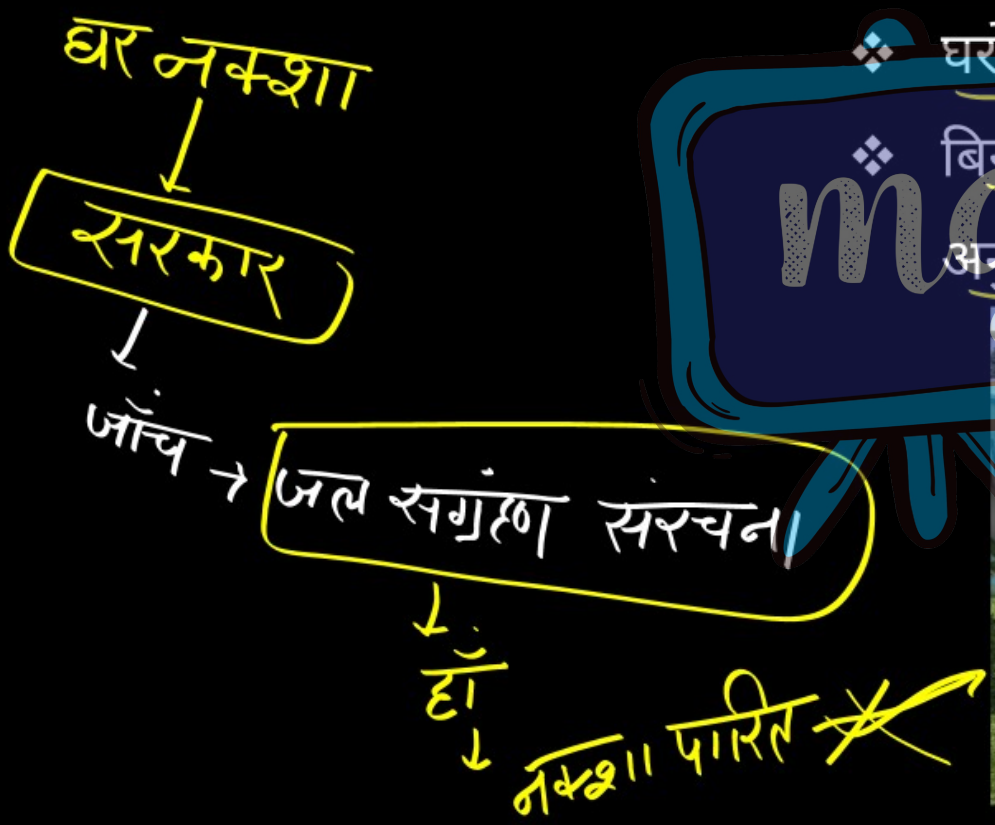

जल-संभर विकास परियोजनाएँ

- कुछ क्षेत्रों में पर्यावरण और अर्थव्यवस्था का कायाकल्प
- अधिकांश कार्यक्रम अभी प्रारंभिक (उदीयमान) अवस्था में

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आवश्यकता

सतत जल उपलब्धता

जल-संभर विकास और प्रबंधन के लाभों पर जन-जागरूकता

एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन से सतत जल उपलब्धता सुनिश्चित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रालेगॅन सिद्धि, अहमदनगर, महाराष्ट्र में जल-संभर विकास : एक वस्तुस्थिति अध्ययन

महाराष्ट्र में, अहमदनगर जिले में रालेगॅन सिद्धि एक छोटा-सा गाँव है। यह पूरे देश में जल-संभर विकास का एक उदाहरण है। 1975 में, यह गाँव गरीबी और शराब के गैर कानूनी व्यापार जाल में जकड़ा हुआ था। उस समय गाँव में परिवर्तन आया जब सेना का एक सेवानिवृत्त कर्मचारी उस गाँव में बस गया और जल-संभर विकास का कार्य आरंभ किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उसने गाँव वालों को परिवार नियोजन और ऐच्छिक श्रम, खुली चराई, वृक्षों की कटाई रोकने और मद्य निषेध के लिए तैयार किया।

ऐच्छिक श्रम आर्थिक सहायता के लिए सरकार पर कम से कम निर्भर रहने के लिए आवश्यक था। उस स्वयंसेवी के कथनानुसार, "इसने परियोजनाओं की लागत का समाजीकरण कर दिया।" जो व्यक्ति गाँव के बाहर काम कर रहे थे, उन्होंने भी प्रति वर्ष एक महीने का वेतन देकर विकास में सहयोग दिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गाँव में अंत: स्रावी तालाब के निर्माण के साथ कार्य शुरू हुआ। 1975 में तालाब में पानी नहीं रुक सका। तटबंध की दीवारें रिस रही थीं। तटबंध को स्वैच्छिक रूप से मरम्मत करने के लिए लोगों को एकत्र किया गया। लोगों की याद में पहली बार गर्मी में इसके नीचे सात कुओं में जल भर गया। लोगों ने अपने नेता और उसके विचारों में अपना विश्वास दिखाया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

"तरुण मण्डल"

नौजवानों का एक समूह बनाया गया जिसे 'तरुण मंडल' कहा गया। समूह ने दहेज प्रथा, जातिवाद और छुआछूत पर प्रतिबंध लगाने का काम किया। शराब आसवन इकाई खत्म कर दी गई और मद्य निषेध लागू कर दिया गया। थान पर चारा देने पर जोर देकर खुली चराई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया। गहन जल फ़सल, जैसे गन्ने की खेती पर प्रतिबंध लगा दिया गया। कम पानी की आवश्यकता वाली फ़सलों, जैसे- दालें, तिलहन और कुछ नगदी फ़सलों को प्रोत्साहित किया गया।

ग्राम - रॉलेगान सिद्धी (अहमदनगर) महाराष्ट्र

↓

गरीबी व गैर कानूनी शराब

⇓

सेवानिवृत्त सैनिक

⇓

तालाब का पुनर्निर्माण

⇓

ग्रीष्मकाल जल व्यवस्था

नौजवान समूह → तरूण मण्डल

↓

→ दहेज प्रथा, खुली-चराई

→ परिवार नियोजन, शराब निषेध

→ अधिक जल आवश्यकता वाली फसल - कम बोया

→ कम जल की आवश्यता वाली फसल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थानिक संस्थाओं के सारे चुनाव सर्वसम्मति के आधार पर शुरू कर दिए गए। "इसने संप्रदाय के नेताओं को लोगों का पूर्ण प्रतिनिधि बना दिया।" न्याय पंचायत प्रणाली स्थापित की गई। तब से कोई भी मुकदमा पुलिस को नहीं दिया जाता।

22 लाख रुपए की लागत से एक विद्यालय की इमारत का निर्माण केवल गाँव के संसाधनों के उपयोग से किया गया। उसके लिए कोई भी दान नहीं लिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आवश्यकता पड़ने पर धन को कर्ज लेकर बाद में वापस कर दिया गया। गाँव वालों को इस आत्मनिर्भरता से गर्व महसूस हुआ। गर्व की अनुप्रेरणा और ऐच्छिक भावना की इस अनुप्रेरणा से श्रम की हिस्सेदारी की एक नई प्रणाली का विकास हुआ। लोग कृषि कार्य में स्वेच्छा से एक-दूसरे की मदद करने लगे। भूमिहीन श्रमिकों को रोज़गार मिल गया। आजकल ग्राम अपने समीपवर्ती ग्रामों में उनके लिए भूमि खरीदने की योजना बनाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वर्तमान में जल पर्याप्त मात्रा में है, खेती फल-फूल रही है, यद्यपि उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग अत्यधिक हो रहा है। नेता के बाद कार्य जारी रखने के लिए वर्तमान पीढ़ी की समृद्धि को बनाए रखने की योग्यता के संबंध में प्रश्न उठता है। उनके शब्दों में इसका उत्तर मिलता है, "राळेगॅन के विकास की प्रक्रिया एक आदर्श गाँव बनने तक नहीं रुकेगी।" बदलते समय के साथ लोग विकास के नए रास्तों की ओर अग्रसर हैं। भविष्य में, राळेगॅन देश का एक अलग मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।"

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रालेगॅन सिद्धि (अहमदनगर, महाराष्ट्र) : जल-संभर विकास

- रालेगॅन सिद्धि जल-संभर विकास का राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध उदाहरण है।
- 1975 में गाँव गरीबी, शराब के अवैध व्यापार और जल संकट से ग्रस्त था।
- परिवर्तन की शुरुआत एक सेवानिवृत्त सैनिक के नेतृत्व में हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- परिवार नियोजन, ऐच्छिक श्रम, वृक्ष कटाई व खुली चराई पर रोक तथा मद्य निषेध लागू किया गया।
- विकास कार्यों में सरकार पर न्यूनतम निर्भरता रखी गई, गाँव वालों ने श्रम व धन से सहयोग किया।
- अंतःस्रावी तालाब बनाए गए, जिनसे गर्मी में भी कुओं में पानी भरने लगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- तरुण मंडल का गठन हुआ, जिसने दहेज, जातिवाद व छुआछूत पर रोक लगाई।
- गन्ने जैसी जल-गहन फ़सलों पर प्रतिबंध, कम पानी वाली फ़सलों को बढ़ावा दिया गया।
- ग्राम संस्थाओं के चुनाव सर्वसम्मति से होने लगे, न्याय पंचायत प्रणाली स्थापित हुई।
- 22 लाख की लागत से विद्यालय का निर्माण केवल ग्राम संसाधनों से किया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आपसी सहयोग से रोज़गार बढ़ा, भूमिहीन श्रमिकों को काम मिला।
- आज जल पर्याप्त है और खेती समृद्ध है, पर उर्वरकों-कीटनाशकों का अधिक उपयोग हो रहा है।
- लक्ष्य : विकास प्रक्रिया को जारी रखकर गाँव को आदर्श मॉडल बनाना।

वर्षा जल संग्रहण

- वर्षा के जल को रोककर एकत्र करने की विधि
- विभिन्न कार्यों तथा भूमिगत जलभृतों के पुनर्भरण के लिए उपयोग

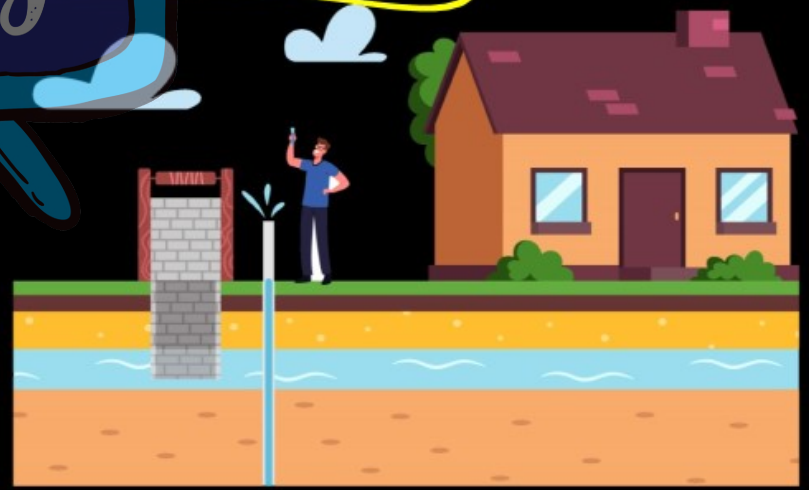

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पर्यावरण के अनुकूल

प्रकृति एवं लागत

- कम लागत वाली तथा पारिस्थितिकी अनुकूल विधि
- पानी की प्रत्येक बूँद को संरक्षित करने पर बल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विधियाँ

- वर्षा जल का नलकूपों, गड्ढों और कुओं में एकत्रीकरण
- छतों और खुले स्थानों से भी वर्षा जल संग्रहण

वर्षा जल → नलकूप / गड्ढों / कुओं जल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

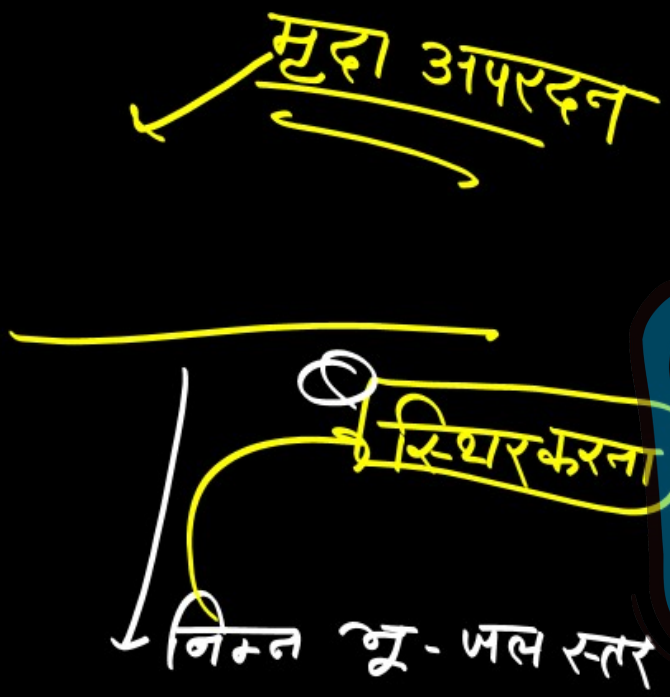

लाभ

- जल उपलब्धता में वृद्धि
- भूमिगत जल स्तर को स्थिर रखना
- फ्लुओराइड व नाइट्रेट जैसे संदूषकों को कम करना
- मृदा अपरदन और बाढ़ नियंत्रण
- तटीय क्षेत्रों में लवणीय जल के प्रवेश को रोकना

mg
महात्मा गांधी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वर्षा जल संग्रहण

परंपरागत प्रणालियाँ

परंपरागत
↓
प्राचीन

गैर-परंपरागत
↓
नवीन

- **ग्रामीण क्षेत्र :** झील, तालाब और सिंचाई तालाब
- **राजस्थान :** कुंड और टाँका

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

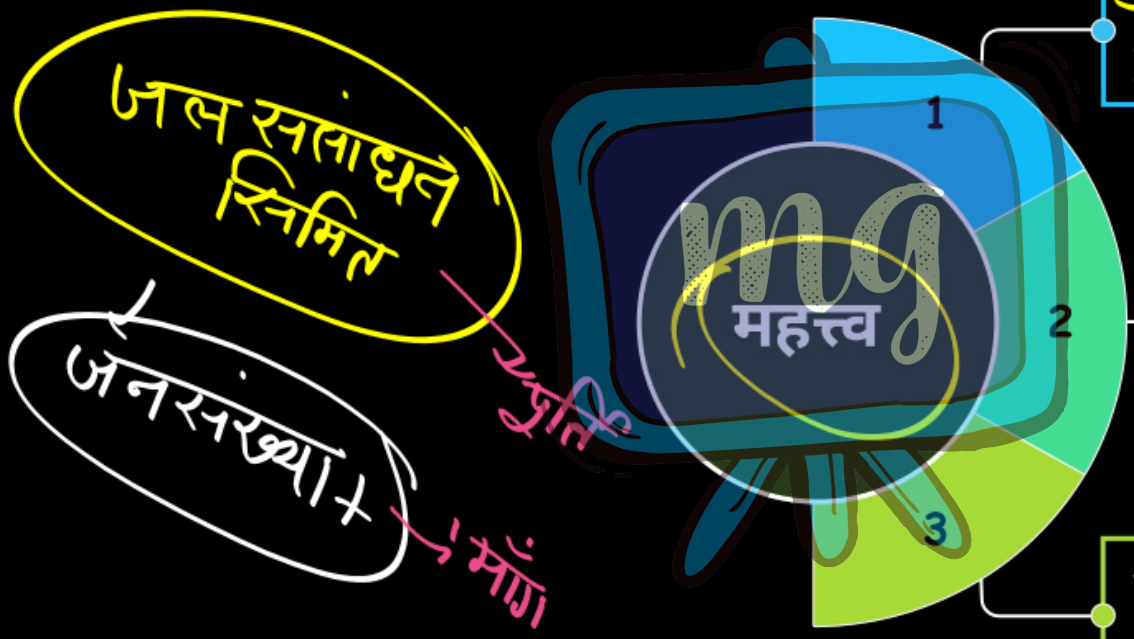

घरेलू उपयोग के लिए भूमिगत जल पर निर्भरता कम

भौम जल निकालने में ऊर्जा की बचत

माँग और आपूर्ति के अंतर कम करने में सहायक

नगरीय क्षेत्रों में उपयोगिता

- नगरों व शहरों में बढ़ती जल माँग की पूर्ति में सहायक
- जल संकट के समाधान का प्रभावी साधन

सीमाएँ

- तटीय क्षेत्रों में लवणीकरण और शुष्क क्षेत्रों में खारे जल की समस्या
- जल समस्या के समाधान में जल का मूल्य एक प्रमुख चुनौती